# मेरे मन के आंगन में | by Ishrat Jahan

मेरे मन के आँगन में एक बार चले आओ
एक बार चले आओ मोहन
एक बार चले आओ मोहन
एक बार चले आओ ना
सौदा करना है दिल का दिलदार चले आओ
मेरे मन के आँगन में .....

और किसे दे दू दिल सब यहाँ फरेबी है
गर तुम हो मेरे दिलबर तो यार चले आओ
मेरे मन के आँगन में .....

तुमको मैंने मोहन अपना मालिक बनाया है
चाकर समझो गर तो सरकार चले आओ
मेरे मन के आँगन में .....

बेधड़क तुम्हारे बिना मेरा ना वजूद है
तुम ही हो जीवन का आधार चले आओ
मेरे मन के आँगन में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-ishrat-jahan/